



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

21 माघ 1938 (श0)

(सं0 पटना 108) पटना, शुक्रवार, 10 फरवरी 2017

स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचनाएं

9 फरवरी 2017

सं0 16/यू.1-02/2011-152 (आ0चि0)—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बिहार-राज्यपाल, स्वास्थ्य विभाग के अधीन आयुष शिक्षण सेवा में नियुक्ति एवं सेवाशर्तों के विनियमन हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं । -

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ** ।- (1) यह नियमावली "बिहार आयुष (आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होमियोपैथी) चिकित्सा शिक्षण सेवा नियमावली, 2017" कही जा सकेगी ।
 - (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा ।
 - (3) यह तुरत प्रवृत्त होगा ।
2. **परिभाषाएँ** ।- जब तक विषय या सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, इस नियमावली में:-
 - (i) 'सरकार' से अभिप्रेत है बिहार सरकार;
 - (ii) 'विभाग' से अभिप्रेत है स्वास्थ्य विभाग;
 - (iii) 'आयोग' से अभिप्रेत है बिहार लोक सेवा आयोग;
 - (iv) 'सी0सी0आई0एम0' [Central Council of Indian Medicine (C.C.I.M.)] से अभिप्रेत है भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्;
 - (v) 'सी0सी0एच0' [Central Council of Homeopathy (C.C.H.)] से अभिप्रेत है केन्द्रीय होमियोपैथी परिषद्;
 - (vi) 'चिकित्सा महाविद्यालय' से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा स्थापित/संचालित आयुर्वेदिक/यूनानी/होमियोपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल ;
 - (vii) 'बी0ए0एम0एस0' [Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (B.A.M.S)] से अभिप्रेत है बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एण्ड सर्जरी, जो सी0सी0आई0एम0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो;
 - (viii) 'बी0यू0एम0एस0' [Bachelor of Unani Medicine and Surgery (B.U.M.S)] से अभिप्रेत है बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसीन एण्ड सर्जरी, जो सी0सी0आई0एम0 द्वारा मान्यता प्राप्त हो;

- (ix) 'बी०एच०एम०एस०' [Bachelor of Homeopathic Medicine and Surgery (B.H.M.S.)] से अभिप्रेत है बैचलर ऑफ होमियोपैथी मेडिसीन एण्ड सर्जरी, जो केन्द्रीय होमियोपैथी परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त हो;
- (x) एम०डी०/एम०एस० से अभिप्रेत है "आयुर्वेदिक/यूनानी/होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति से संबंधित 'स्नातकोत्तर उपाधि' (डिग्री)" जो सी०सी०आई०एम०/सी०सी०एच० द्वारा मान्यता प्राप्त हो;
- (xi) 'उच्चतर उपाधि' (डिग्री) से अभिप्रेत है स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) के अतिरिक्त प्राप्त की गयी कोई अन्य उच्चतर उपाधि (डिग्री)" जो सी०सी०आई०एम०/सी०सी०एच० से मान्यता प्राप्त हो;
- (xii) 'परिशिष्ट' से अभिप्रेत है इस नियमावली के साथ संलग्न परिशिष्ट;
- (xiii) 'निदेशालय' से अभिप्रेत है आयुष निदेशालय;
- (xiv) 'बी०सी०आई०सी०ई० बोर्ड' से अभिप्रेत है बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद
- (xv) 'सेवा' से अभिप्रेत है बिहार आयुष चिकित्सा शिक्षण सेवा;
3. **सेवा का गठन** — (1) "बिहार आयुष (आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होमियोपैथी) चिकित्सा शिक्षण सेवा" राज्य स्तरीय होगी और इसमें निम्नलिखित तीन संवर्ग होंगे :—
- (क) आयुर्वेदिक चिकित्सा शिक्षण संवर्ग,
(ख) यूनानी चिकित्सा शिक्षण संवर्ग, तथा
(ग) होमियोपैथी चिकित्सा शिक्षण संवर्ग।
- (2) स्वास्थ्य विभाग के आयुर्वेदिक/यूनानी/होमियोपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं निदेशालय के निम्नलिखित पद आयुष चिकित्सा शिक्षण सेवा में शामिल होंगे :—
- (क) सहायक प्राध्यापक (व्याख्याता)
(ख) सह प्राध्यापक (प्रवाचक)
(ग) प्राध्यापक
(घ) प्राचार्य
(ङ.) सरकार द्वारा समय-समय पर, अधिसूचना के द्वारा, सम्मिलित किए जानेवाले कोई अन्य पद
- (च) निदेशालय के वैसे पद जो आयुष चिकित्सा शिक्षण सेवा से भरे जायेंगे :—
- (i) (क) उप निदेशक (आयुर्वेदिक चिकित्सा शिक्षा)
(ख) उप निदेशक (यूनानी चिकित्सा शिक्षा)
(ग) उप निदेशक (होमियोपैथी चिकित्सा शिक्षा)
- (ii) अपर निदेशक—सह—परीक्षा नियंत्रक (आयुष चिकित्सा शिक्षा)
- (iii) निदेशक (आयुष चिकित्सा शिक्षा)
- (3) उप-नियम (2) में वर्णित पद, जिन्हें इस नवगठित सेवा में शामिल किया गया है, को सी०सी०आई०एम०/सी०सी०एच० द्वारा विनिश्चित मानदण्ड को ध्यान में रखते हुए पुनर्गठित किया जा सकेगा।
4. **बिहार आयुष चिकित्सा शिक्षण सेवा में नियुक्ति** — (1) सहायक प्राध्यापक की कोटि इस सेवा की मूल कोटि होगी और सेवा में नियमित प्रवेश सहायक प्राध्यापक के पद पर, सरकार द्वारा समय-समय पर विनिश्चित शर्तों एवं मानदंडों के अधीन, होगा। सरकार, इस नियमावली के परिशिष्ट— 1 के अनुरूप, आयोग द्वारा तैयार किये गये पैनल से, नियुक्ति की कार्रवाई करेगी।
- (2) आयोग द्वारा विनिश्चित समय-सीमा के आलोक में तैयार किये गये पैनल एवं पैनल की वैधता के आलोक में रिक्तियों को भरने हेतु सरकार इस नियमावली के परिशिष्ट— 1 के प्रावधानों का सख्ती से पालन करेगी।
- (3) **पात्रता** — (i) आवश्यक अर्हता।— सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु शैक्षणिक अर्हता विषय-विशेष में स्नातकोत्तर उपाधि, जो सी०सी०आई०एम०/सी०सी०एच० द्वारा मान्यता प्राप्त हो, होगी परन्तु आयुर्वेदिक/यूनानी कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु सी०सी०आई०एम० द्वारा अधिसूचित आवश्यक विषय विशेष के समकक्ष सम्वर्गी विषय में स्नातकोत्तर अर्हताधारी भी आवेदन के पात्र होंगे।
- परन्तु और कि होमियोपैथिक कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु निम्नलिखित विषयों में न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता निम्नरूपेण होगी:—
- (क) विषय— ऑर्गेनन ऑफ मेडिसिन, होमियोपैथिक मटेरिया मेडिका, होमियोपैथिक फार्मसी, रिपर्टरी— संबंधित विषय में एम०डी० (होमियोपैथिक) योग्यता जो केंद्रीय होमियोपैथिक परिषद से मान्यता प्राप्त हो, अनिवार्य होगा।
- (ख) विषय— एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, फोरेन्सिक मेडिसिन एवं टॉक्सीकोलॉजी, सर्जरी, ऑब्स एवं गायनोक्लॉजी, प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन एवं कम्युनिटी मेडिसिन— मात्र एम०डी०

(होमियोपैथिक) योग्यता होगा या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम0बी0बी0एस0 डिग्री एवं संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि, जो "मेडिकल कॉउंसिल ऑफ इंडिया" से मान्यता प्राप्त हो।

(ग) **अधिमान्य योग्यता**— होमियोपैथिक कॉलेज से संलग्न अस्पताल, जो केन्द्रीय होमियोपैथिक परिषद/केन्द्र सरकार से अनुमति प्राप्त हो, में आर0एम0ओ0 एवं/या हाउस फिजिशियन के रूप में कार्य करने का अनुभव।

(ii) सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु न्यूनतम उम्र सीमा 27 वर्ष और अधिकतम उम्र—सीमा अनारक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष, पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के लिए 48 वर्ष, महिला (अनारक्षित, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग) के लिए 48 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 50 वर्ष होगी। बिहार राज्य आयुष चिकित्सा सेवा में कार्यरत चिकित्सक के लिए अधिकतम उम्र सीमा 50 वर्ष होगी।

5. **परिवीक्षा अवधि** — नियुक्ति के पश्चात् सहायक प्राध्यापक परिवीक्षाधीन रहेंगे। परिवीक्षा अवधि दो वर्षों की होगी जिसे लिखित रूप में अभिलिखित किये जाने वाले कारणों से, एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। एक वर्ष की अवधि में भी सेवा संतोषजनक नहीं पाये जाने पर संबंधित परिवीक्षाधीन को सेवामुक्त किया जा सकेगा।

परिवीक्षा अवधि के दौरान सहायक प्राध्यापक के लिए कोषागार प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

6. **सम्पुष्टि** — परिवीक्षा अवधि में सेवा संतोषजनक रहने तथा विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने एवं कोषागार प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के उपरांत सहायक प्राध्यापक की सेवा सम्पुष्ट की जा सकेगी। विभागीय परीक्षा केन्द्रीय परीक्षा समिति (राजस्व वर्षद) द्वारा ली जायेगी।

7. **प्रोन्नति** — सहायक प्राध्यापक से सह प्राध्यापक के पद पर नियमित प्रोन्नति के लिए सहायक प्राध्यापक के पद पर न्यूनतम 5 (पाँच) वर्षों का शैक्षणिक अनुभव आवश्यक होगा। सह-प्राध्यापक के पद से प्राध्यापक के पद पर नियमित प्रोन्नति के लिए सह-प्राध्यापक के पद पर 5 वर्षों का शैक्षणिक अनुभव अर्थात् न्यूनतम 10 (दस) वर्षों का शैक्षणिक अनुभव आवश्यक होगा। नियमित प्रोन्नतियाँ, रिक्तियों की उपलब्धता के अधीन रहते हुए वरीयता सह मेधा के सिद्धांत के आधार पर संबंधित विषय में शैक्षणिक अनुभव एवं अन्य आवश्यक अर्हताओं आदि के आधार पर सी0सी0आई0एम0/सी0सी0एच0 के बाध्यकारी नियमों के अनुसार प्रदान की जायेगी। प्रोन्नति के सभी पदों के लिए स्नातकोत्तर डिग्री एक अनिवार्य अर्हता होगी एवं नियम 2(XI) में वर्णित "उच्चतर उपाधि" धारकों को प्राथमिक दी जायेगी।

8. (1) तत्काल अनिवार्यता अथवा नियुक्ति/प्रोन्नति हेतु पात्र चिकित्सक शिक्षकों की अनुपलब्धता की स्थिति में, सरकार, सह-प्राध्यापक एवं प्राध्यापक के पदों पर बाह्य श्रोतों से, आयोग की अनुशंसा से, कुल सृजित पदों के 33% की सीमा तक, सीधी नियुक्ति कर सकेगी। सरकार को कार्यबल की उपलब्धता/कमी को देखते हुए इस सीमा को घटाने/बढ़ाने की शक्ति होगी। बाह्य श्रोतों से सह-प्राध्यापक एवं प्राध्यापक के पद के लिए अर्हता सी0सी0आई0एम0/सी0सी0एच0 के मानदंडों के अनुरूप होगी। इस नियुक्ति में सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षण के कार्य अनुभव को अधिमानता दी जायेगी।

(2) उक्त प्रावधान के होते हुये भी, विशेष अनिवार्यता की स्थिति में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विहित प्रावधान (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार सरकार द्वारा संविदा के आधार पर उक्त पदों पर सीमित अवधि के लिए बाह्य श्रोतों से नियुक्ति की जा सकेगी। आवश्यकतानुसार इसके लिए सरकार आवश्यक प्रक्रिया को भी विनिश्चित कर सकेंगी।

(3) इस नियमावली के निर्गत होने की तिथि के पूर्व तक देशी चिकित्सा प्रक्षेत्र के गैर शैक्षणिक सम्वर्ग से शैक्षणिक सम्वर्ग में नियमानुसार समायोजित एवं कार्यरत वैसे शैक्षणिक पदाधिकारी जो इस पद के लिए निर्धारित योग्यता एवं अन्य अर्हताएँ पूरी करते हों, स्वतः इस सम्वर्ग में सम्मिलित समझे जायेंगे।

9. **प्राचार्य** — इस पद पर नियुक्ति प्राध्यापकों के बीच से, उनकी प्राध्यापक के पद की वरीयता एवं मेधा के आधार पर, विहित प्रक्रिया के अनुसार, की जायेगी। प्राचार्य का चिकित्सा महाविद्यालय पर समग्र नियंत्रण रहेगा, जिसके लिए विभाग, समय-समय पर, सम्यक् निदेश जारी कर सकेगा।

10. **उप निदेशक** — प्राचार्य एवं उपनिदेशक के पद एक ही वेतनमान/ग्रेड-पे के पद होंगे। उप निदेशक के पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति प्राध्यापकों के बीच से उनकी प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर की जायेगी।

11. **निदेशक/अपर निदेशक-सह-परीक्षा नियंत्रक** — इस पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति प्राचार्य/उप निदेशक/प्राध्यापक के बीच से वरीयता के आधार पर की जायेगी।

12. सरकार में तत्समय प्रवृत्त प्रोन्नति सम्बन्धी अन्य नियम/अनुदेश इस सेवा के सदस्यों पर भी लागू होंगे।

13. **विभागीय प्रोन्नति समिति** — (1) उच्चतर पदों पर नियमित प्रोन्नतियाँ विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर विचारणीय होंगी। विभागीय प्रोन्नति समिति का स्वरूप वैसा ही होगा जैसा सरकार द्वारा समय-समय पर, विहित किया जाय ;

- (2) इन शैक्षणिक पदों पर प्रोन्नति के लिए, सामान्य आवश्यकता के अतिरिक्त सी0सी0आई0एम0/सी0सी0एच0 द्वारा विनिश्चित मार्गदर्शन एवं सरकार द्वारा, समय-समय पर, यथानिर्देशित के अनुसार शैक्षणिक कार्य की प्रामाणिकता आवश्यक होगी।
14. **आरक्षण** — सरकार के आरक्षण अधिनियम और समय-समय पर सीधी भर्ती एवं प्रोन्नति हेतु निर्गत आरक्षण रीस्टर का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।
15. (1) नियम-3 में उल्लिखित पदों पर, इस नियमावली के प्रवृत्त होने के पूर्व/पहले से नियुक्त/प्रोन्नत एवं कार्यरत चिकित्सक शिक्षक इस सेवा में स्वतः शामिल समझे जायेंगे। इस नियमावली के प्रवृत्त होने के पूर्व व्याख्याता, प्रवाचक एवं प्राध्यापक के पद पर पहले से नियुक्त/प्रोन्नत एवं कार्यरत चिकित्सक शिक्षक क्रमशः सहायक प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक एवं प्राध्यापक पदनाम से जाने जायेंगे।
- (2) पूर्व से नियुक्त/प्रोन्नत एवं कार्यरत ऐसे चिकित्सक शिक्षक, जिन्हें इस नियमावली में विहित अर्हता प्राप्त नहीं है, अपने द्वारा धारित पद पर बने रहेंगे, किन्तु उन्हें उक्त अर्हता आधारित पदों पर कोई प्रोन्नति अनुमान्य नहीं होगी।
16. **वरीयता** — सहायक प्राध्यापकों की पारस्परिक वरीयता स्पेशियलिटी विषयों के अनुसार अलग-अलग संधारित की जायेगी। वैसे प्रोन्नत प्राध्यापक, जो संबंधित विषय में एक ही तिथि को प्रोन्नत हुए हैं, की आपसी वरीयता सह-प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर विनिश्चित की जायेगी एवं उसी प्रकार सह-प्राध्यापकों की आपसी वरीयता सहायक प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर विनिश्चित की जायेगी। पारस्परिक वरीयता का अवधारण शैक्षणिक अनुभव की अवधि पर आधारित होगा। सहायक प्राध्यापक के पद पर आपसी वरीयता का अवधारण, व्याख्याता, प्रदर्शक या अन्य शैक्षणिक पद पर अनुभव की गणना/आयोग द्वारा तैयार की गयी मेधासूची के अनुसार किया जायेगा।
17. **अवशिष्ट मामले** — इस नियमावली में जिन विषयों का प्रावधान नहीं हो सका है, उनके लिए सरकार के समुचित स्तर के कर्मचारी/पदाधिकारी के लिए विनिर्धारित संहिता/नियमावली/संकल्प/अनुदेश के प्रावधान लागू होंगे।
18. **निर्वचन** — यदि इस नियमावली के किसी उपबंध के निर्वचन के संबंध में कोई शंका उत्पन्न हो तो विभाग को निर्देशित किया जायेगा और इस संबंध में विधि विभाग के परामर्श से किया गया विभाग का विनिश्चय अन्तिम होगा।
19. **कठिनाई का निराकरण** — यदि इस नियमावली के उपबंधों के क्रियान्वयन में कोई कठिनाई उत्पन्न हो तो विभाग ऐसी किसी कठिनाई का निराकरण वित्त विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग एवं विधि विभाग के परामर्श के पश्चात् विशेष अथवा सामान्य आदेश द्वारा, जो इस नियमावली के प्रावधानों से असंगत न हो, कर सकेगा।
20. **निरसन एवं व्यावृत्ति** — (1) इस सेवा के संबंध में, विभाग द्वारा पूर्व में, समय-समय पर निर्गत संकल्प, आदेश, अनुदेश आदि एतद् द्वारा निरसित किये जाते हैं।
- (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, ऐसे संकल्प, आदेश, अनुदेश आदि के अधीन किया गया कोई कार्य या की गयी कोई कार्यवाई इस नियमावली द्वारा किया गया या की गयी समझी जायेगी, मानो यह नियमावली उस तिथि को प्रवृत्त थी, जिस तिथि को ऐसा कोई कार्य किया गया था या ऐसी कोई कार्यवाई की गयी थी।

परिशिष्ट-1

आयुर्वेदिक/यूनानी/होमियोपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति का मानदंड

- सहायक प्राध्यापक का पद प्रथम स्थायी शैक्षणिक पद है, अतः इस हेतु चयन सावधानीपूर्वक किया जाना है।
 - अनिवार्य योग्यता**— (क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी0ए0एम0एस0/बी0यू0एम0एस0/बी0एच0एम0एस0 डिग्री जो भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद/केन्द्रीय होमियोपैथिक परिषद, नई दिल्ली के अनुसूची में सम्मिलित हो।
 - (ख) संबंधित/सम्बन्धी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि योग्यता हो जो भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद/केन्द्रीय होमियोपैथिक परिषद, नई दिल्ली के अनुसूची में सम्मिलित हो किंतु होमियोपैथिक कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु होमियोपैथी कॉलेज से संलग्न अस्पताल, जो केन्द्रीय होमियोपैथी परिषद/केन्द्र सरकार से अनुमति प्राप्त हो, में आर0एम0ओ0 एवं/या हाउस फिजिशियन के रूप में कार्यानुभव प्राप्त अभ्यर्थी को अधिमानता दी जायेगी।
- नोट:—**1. होमियोपैथिक कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति निम्नांकित विषयों में निम्नरूपेण होगी:—
- (क) विषय— ऑर्गेनन ऑफ मेडिसिन, होमियोपैथिक मटेरिया मेडिका, होमियोपैथिक फार्मसी, रिपोर्टरी—संबंधित विषय में एम0डी0 (होमियोपैथिक) योग्यता जो केन्द्रीय होमियोपैथिक परिषद से मान्यता प्राप्त हो, अनिवार्य होगा।
 - (ख) विषय— एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथोलॉजी, फोरेन्सिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी, सर्जरी, ऑब्स एवं गायनोक्लॉजी, प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन एवं कम्युनिटी मेडिसिन— एम0डी0 (होमियोपैथिक) योग्यता होगा या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम0बी0बी0एस0 डिग्री जो मेडिकल कॉउंसिल ऑफ इंडिया

से मान्यता प्राप्त हो एवं संबंधित विषय में स्नातकोत्तर चिकित्सीय योग्यता, जो मेडिकल कॉउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त हो।

3. अभ्यर्थियों की तुलनात्मक मेधा के अवधारणार्थ अंकों का निम्नरूपेण मूल्यांकन किया जायेगा:-

(क) बी०ए०एम०एस०/बी०यू०एम०एस०/बी०एच०एम०एस०/एम०बी०बी०एस० के विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाओं में प्राप्तांक का कुल योग:-

75% एवं उससे ऊपर	70 % एवं उससे ऊपर	65 % एवं उससे ऊपर	60 % एवं उससे ऊपर	55 % एवं उससे ऊपर	50 % एवं उससे ऊपर
20	19	18	17	16	15

(ख)	आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होमियोपैथी में स्नातकोत्तर उपाधि के लिए-	10 अंक
(ग)	सरकारी शैक्षणिक क्षेत्र में संविदा नियुक्ति के आलोक में कार्यानुभव (प्रति वर्ष 2 अंक, अधिकतम 10 अंक)-	10 अंक
(घ)	साक्षात्कार -	06 अंक
(ङ)	मान्यता प्राप्त जर्नल्स में मुख्य लेखक के रूप में मूल प्रकाशन के लिए (किसी अभ्यर्थी को किसी प्रकाशन का मूल लेखक तभी माना जाये, जब वह विषय के प्रभारी प्राध्यापक/विभागाध्यक्ष/गाईड, जिसके अधीन उसने पेपर तैयार किया हो, इस आशय का प्रमाण पत्र दें।)	04 अंक (प्रत्येक प्रकाशन के लिए 02 अंक)

कुल- 50 अंक

(च) किसी अन्य बोर्ड या विश्वविद्यालय से समान डिग्री के दुहराव के लिए कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिया जायेगा।

(छ) साक्षात्कार में अलग से उत्तीर्णांक प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।

4. सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र होने के हेतु किसी अभ्यर्थी को न्यूनतम 25 (पच्चीस) अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सचिवदानंद चौधरी,
सरकार के अपर सचिव।

9 फरवरी 2017

सं० 16/यू०-02/2011-152 (दे०चि०) का निम्नलिखित अंग्रेजी अनुवाद, बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से, एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारत के संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा में उक्त अधिसूचना का प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सचिवदानंद चौधरी,
सरकार के अपर सचिव।

The 9th February 2017

No. 16/यू०-02/2011-152 (A.CHI)—In exercise of powers conferred by proviso to Article-309 of the Constitution of India, the Governor of Bihar is pleased to make the following Rules to regulate the appointment and service conditions in AYUSH Teaching service under the Health Department: -

1. **Short title, extent & commencement.-** (1) These Rules may be called as the "Bihar AYUSH (Ayurvedic, Unani and Homoeopathy) Medical Teaching service Rules, 2017".

(2) It will extend to the whole State of Bihar.

(3) It will come into force at once.

2. **Definitions.-** Unless otherwise requires in the subject or context, in these Rules.

(i) 'Government' means Government of Bihar;

(ii) 'Department' means Health Department;

(iii) 'Commission' means Bihar Public service Commission;

- (iv) 'C.C.I.M.' means Central Council of Indian Medicine;
 - (v) 'C.C.H.' means Central Council of Homoeopathy;
 - (vi) 'Medical college' means Ayurvedic/Unani/Homoeopathy Medical college & Hospital established/managed by the State Government.
 - (vii) 'B.A.M.S.' means Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery, which is recognized by the C.C.I.M ;
 - (viii) 'B.U.M.S.' means Bachelor of Unani Medicine and Surgery, which is recognized by the C.C.I.M ;
 - (ix) 'B.H.M.S.' means bachelor of Homoeopathy Medicine and Surgery, which is recognized by the Central Council of Homoeopathy;
 - (x) 'M.D/M.S' means Postgraduate Degree concerned Ayurvedic/Unani/Homoeopathic system of Medicine" recognized by the C.C.I.M/C.C.H;
 - (xi) 'Higher Degree' means any other Higher Degree in addition to Postgraduate Degree, recognized by the C.C.I.M/ C.C.H;
 - (xii) 'Appendix' means Appendix appended to these Rules;
 - (xiii) 'Directorate' means AYUSH Directorate;
 - (xiv) 'B.C.E.C.E. Board' means Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board;
 - (xv) 'Service' means Bihar AYUSH Medical Teaching Service :-
- 3. Constitution of Service.**— (1) 'Bihar AYUSH (Ayurvedic, Unani and Homoeopathy) Medical Teaching Service shall be State level and it shall comprise of following three cadres :-
- (a) Ayurvedic Medical Teaching cadre;
 - (b) Unani Medical Teaching cadre; and
 - (c) Homoeopathy Medical Teaching cadre.
- (2) The following posts of Ayurvedic/Unani/Homoeopathy Medical Colleges and Directorate of the Department shall be included in the AYUSH Medical Teaching Service:-
- (a) Assistant Professor, (Lecturer)
 - (b) Associate Professor, (Reader)
 - (c) Professor,
 - (d) Principal,
 - (e) Any other post to be included by the Government by notification from time to time,
 - (f) Such posts of Directorate which will be filled up from AYUSH Medical Teaching Service:-
- (i) (a) Deputy Director (Ayurvedic Medical Education);
 - (b) Deputy Director (Unani Medical Education);
 - (c) Deputy Director (Homoeopathy Medical Education);
 - (ii) Additional Director-cum-Examination Controller (Ayush Medical Education);
 - (iii) Director (AYUSH Medical Education);
- (3) The posts described in sub-rule (2), which are included in the newly constituted service, may be reconstituted, in view of the criterion determined by C.C.I.M./C.C.H.
- 4. Recruitment in Bihar Ayush Medical Teaching Service.**— (1) The category of Assistant Professor shall be basic category of this service and the regular entry shall be on the post of Assistant Professor under the conditions and criterion determined by the Government, from time to time. The Government shall take action for the

appointment in conformity with Appendix-1 of these Rules from the panel prepared by the Commission.

- (2) The Government shall strictly follow the provisions of Appendix-1 to fill up the vacancies as per the panel determined by Commission for specified time period keeping in view the legal validity of the panel.

- (3) Eligibility.-(1) Essential Qualification.- Educational Qualifications will be the Postgraduate Degree in the specified subjects which is recognised by C.C.I.M/C.C.H for the appointment to the post of Assistant Professor:

Provided that the candidates having Postgraduate Degree in equivalent allied specified subjects, as notified by C.C.I.M. shall also be eligible for the appointment to the post of Assistant Professor in Ayurvedic/Unani colleges.

Provided further that the following will be the minimum educational qualifications for the appointment to the post of Assistant Professor in Homoeopathic colleges:-

- (a) Subject- Organon of Medicine, Homoeopathic Materia Medica, Homoeopathic Pharmacy, Repertory- M.D (Homoeopathic) qualification in concerned subjects, which are recognised by C.C.H. shall be essential.
- (b) Subject- Anatomy, Physiology, Pathology, Forensic medicine and Toxicology, Surgery, Obstetrics & Gynecology, Practice of medicine and Community Medicine- Either M.D (Homoeopathic) qualification or M.B.B.S Degree from any recognized university alongwith postgraduate degree in concerned subjects which is recognised by "Medical Council of India.
- (c) Preferential Qualifications Work experience as R.M.O &/or House physician of attached Hospital with Homoeopathic Colleges which are recognised by C.C.H./ the Union Government.

(ii) The minimum age-limit for the appointment to the post of Assistant Professor shall be 27 years and the maximum age-limit shall be 45 years for unreserved category, 48 years for backward class/extremely backward class, 48 years for women (unreserved, backward class and extremely backward class) and 50 years for scheduled castes/scheduled tribes. The maximum age limit for doctors working in the Bihar State AYUSH Medical Service shall be 50 years.

5. **Probation Period.**- After appointment, Assistant Professor shall be on probation. The probation period shall be of two years. which will be extended for one year with reasons to be recorded in writing the service not satisfactory in the period of one year, concerned probationer the service may be terminated from the on finding service. During probation period, it will be compulsory for the Assistant Professors to have treasury training.
6. **Confirmation.**- The service of Assistant Professors may be confirmed on being satisfactory service in the probation period and passing of Departmental Examinations and after obtaining treasury training. The Departmental Examination will be taken by the Central Examination Committee (Board of Revenue).
7. **Promotion .**- It shall be necessary to have minimum 5 (five) years teaching experience of the post of Assistant Professor for regular promotion from Assistant Professor to the post of Associate Professor. For regular Promotion from the post of Associate Professor to the post of Professor, It shall be necessary to have 5 years teaching experience of the post of Associate Professor, i.e. a Minimum of 10(ten) years

- teaching experience. Regular Promotions from the post of Assistant professor to professor to the post of Associate Professor and from the Associate Professor to Professor will be given on the basis of the principle of seniority-cum-merit and teaching experience etc. in accordance with mandatory Rules of the C.C.I.M./ C.C.H. subject to the availability of the vacancies. The post graduate degree qualification shall also be essential for all promotional posts. Those having higher Degree as defined in Rule 2(XI) will be given preference.
8. (1) In case of immediate exigency or non availability of eligible Medical Teachers for appointment/ promotion, the Government may make direct recruitment to the posts of Associate Professor and Professor by outsourcing within the limit of 33 percent, on the recommendation of the Commission. The Government shall have powers to reduce/increase this limit in view of the availability/non availability. The qualifications for appointment by outsourcing to the posts of Associate Professor and Professor shall be in conformity with the criterion of the C.C.I.M./ C.C.H. Weightage will be given to the medical teaching work experience in the government sector in this appointment.
 - (2) Not with standing such provision, in case of immediate exigency or non availability of eligible Medical Teachers for appointment/Promotion, the appointment may be made on the basis of contract by the Government for a limited period by outsourcing to the aforesaid posts. The government may determine the necessary procedure for this according to the provisions prescribed by the General Administration Department as amended from time to time as per necessity.
 - (3) Those teaching officers who are absorbed and working in the teaching cadre from non-teaching cadre of Desi Chikitsa in accordance with Rules, before the date of issue of these Rules will automatically be included in the teaching cadre.
 9. **Principal.-** Appointment to this post will be made from amongst the Professors, on the basis of their seniority cum merit of the post of Professor, according to the prescribed procedure. The Principal shall have overall control the Medical college, for which the Department may issue the directions, from time to time.
 10. **Deputy Director.-** The post of Principal and Deputy Director shall be the posts of the same grade pay. Appointment to the post of Deputy Director will be made from amongst the Professors, on the basis of their seniority of the post of professor.
 11. **Director/Additional Director-Cum-examination controller.-** Appointment to this post will be made from amongst the Principal/Deputy Director/Professor on the basis of seniority.
 12. Other Rules/instructions relating to the Promotion, for the time being enforced in the Government, shall also apply.
 13. **Departmental Promotion Committee.-** (1) Regular promotions to the higher posts shall be considerable on the basis of recommendation of the Departmental Promotion Committee. The structure of the Departmental Promotion Committee shall be the same as may be prescribed by the Government, from time to time.
 - (2) For promotions to these teaching posts, authority of academic work in accordance with the guidelines determined by the C.C.I.M/C.C.H and directed by the Government, from time to time, will be essential in addition to the usual requirements.

- 14. Reservation.-** It shall be necessary to comply the Reservation Act of the Government and reservation roster for direct recruitment and promotion issued by the Government, from time to time.
- 15. (1)** The Doctor Teacher already appointed/promoted and working on the posts mentioned in rule-3 before coming into force of these Rules, shall be deemed to be automatically included in this cadre. The Doctor Teachers already appointed/promoted and working on the posts of Lecturer, Reader and Professor shall be known by the designation of Assistant Professor, Associate Professor and Professor respectively.
- (2)** Such Doctor Teachers already appointed/promoted and working who do not possess qualification prescribed under these Rules, will remain on the posts held by them, but promotion to these posts will not be admissible to them.
- 16. Seniority.-** The inter se seniority of Assistant Professors shall be separately maintained according to speciality subjects. The inter-se seniority of such promoted professors, who have been promoted on the same date in their respective subject, will be determined on the basis of their seniority of the post of Associate Professor and similarly the inter-se-seniority of Associate Professor will be determined on the basis of their seniority of the post of Assistant Professor. The determination of inter-se-seniority will be based on the period of teaching experience. The inter se seniority on the post of Assistant Professor will be determined according to the calculation of experience of the post of Lecturer, Reader or other teaching posts and the merit list prepared by the Commission.
- 17. Residue matter.-** For the subjects, which have not been provided in these Rules, provisions of concerned codes/Rules/Resolutions/Instructions of the Government shall apply.
- 18. Interpretation.-** If any doubt arises with respect to interpretation of any provision of these Rules, it shall be referred to the department and in this respect decision of the department, after consultation with the Law Department, shall be final.
- 19. Removal of difficulties:-** If any difficulty arises in implementation of provisions of these Rules, the Department may remove such difficulty, after consultation with Finance Department, General Administration Department and Law Department, by special or general order, which is not inconsistent with the provisions of these Rules.
- 20. Repeal & Saving.-** (1) The Resolution Orders, Instruction, etc issued earlier, from time to time, by the Department, with respect to this service, are hereby repealed.
- (2)** Notwithstanding such repeal, any work done or any action taken under aforesaid Resolutions, Orders, Instructing, etc, shall be deemed to be done or taken under these Rules, as if these Rules were in force on the date on which such a work was done or such an action was taken.

APPENDIX – 1**CRITERION FOR APPOINTMENT OF ASSISTANT PROFESSOR IN AYURVEDIC/UNANI/HOMOEOPATHY MEDICAL COLLEGES**

- 1- The post of Assistant Professor is the first permanent teaching post, therefore selection for this is to be made very carefully.
- 2- (a) **Essential Qualification:-** The Degree of B.A.M.S/B.U.M.S/B.H.M.S from any recognized university which is included in the schedule of C.C.I.M/C.C.H New Delhi.
- (b) Postgraduate Degree in concerned/equivalent allied specified subjects as notified by C.C.I.M and included in the schedule of C.C.I.M/C.C.H. but candidates have working experience as R.M.O and/or House physician in attached hospitals with Homoeopathy Colleges, recognized by C.C.N/Govt. of India shall be preferred for recruitment on the post of Assistant Professor.

Note.1- The recruitment on post of Assistant Professor in Homoeopathy college shall be done as follows in the following subjects:-

- (a) Subject- Organon of Medicine, Homoeopathic Materia Medica, Homoeopathic Pharmacy, Repratory—M.D. (Homeopathic) qualifications in concerned subject, as approved by C.C.H, shall be essential.
- (b) Subject- Anatomy, Physiology, Pathology, Forensic medicine and Toxicology, Surgery, Obstetrics & Gynecology, Practice of medicine and Community Medicine- Either M.D. (Homoeopathic) qualification or M.B.B.S. Degree from any recognized university alongwith postgraduate degree in concerned subject approved by “Medical Council of India”.
- 3- Candidates will be allotted valuation marks as indicated below for determining their comparative merits:-
- (a) Aggregate of marks obtained at the three B.A.M.S./B.U.M.S/ B.H.M.S. university Examinations.

75% and above	70% and above	65% and above	60% and above	55% and above	50% and above
20	19	18	17	16	15

- (b) For Post graduate degree in Ayurvedic, Unani and Homoeopathy . 10 marks
- (c) Work experience of contract appointment in government Education sector (2 marks per year, maximum 10 marks)- 10 marks
- (d) Interview- 06 marks
- (e) For original publication as principal in recognized Journals (a candidate will be treated as principal author if the Professor-in-Charge/Head of the Department/ Guide, under whom the paper has been prepared, gives a certified in this regard)- 04 marks

- (f) No additional marks will be awarded for the repetition of any equivalent degree from any Board or University.
- (g) In addition to above it would be quite essential to obtain marks in interview. To be eligible for appointment as an Assistant Professor, Candidate should have necessary to obtain 25 (twenty five) marks.
- 4-

By order of the Governor of Bihar,
SACHHIDANAND CHOUDHARY,
Additional Secretary to Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 108-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>